

நவ சிர்வெள்ளை/புதிய பாடத்திட்டம்/New Syllabus

අධ්‍යාපන පොදු සහතික පත්‍ර (උසස් පෙළ) විභාගය, 2020  
කළුවිප් පොතුත් තරාතරුප පත්තිර (ශයර් තරුප)ප් පරිශෑෂේ, 2020  
General Certificate of Education (Adv. Level) Examination. 2020

தமிழ் (Tamil) Examination, 2020

## ରାତ୍ରି ତୃତୀୟ ମୁନ୍ଦ୍ର ମଣିତତ୍ତ୍ୱିଯାଳମ୍ *Three hours*

84 STE II

අමතර කියවීම් කාලය	- මිනිත්තු 10 දි
මෙළතික වාසිප්ප නොරු	- 10 නිමිටණකൾ
Additional Reading Time	- 10 minutes

අමතර තියෙම් කාලය ප්‍රශ්න පෙනු ලද වෝරු ගැනීමටත් පිළිබඳ මිවේලම් ප්‍රශ්නවක දෙන ප්‍රශ්න කාව්ධනය කර ගැනීමටත් ගෙදාගැනීම්. ඩිනාප්පත් ත්‍රිත්ත වාසින්තු, ඩිනාක් කාලයේ තෙර්විඩ්ස්ථ්‍රාවත්තු මූල්‍ය විලා ගුරුතුම් පොතු මුණ්‍යාරියා වහුණ්‍ය ඩිනාක්කාලා ඉහුණ්කමෙත්තුක් කොට්ඨාස් වෙතුරු මෙළත්තික වාසිප්ප නොර්ත්ත්තප් යෙයින්ප්‍රාග්‍යාත්කා.

**Use additional reading time to go through the question paper, select the questions you will answer and decide which of them you will prioritise.**

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग I के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग II से एक प्रश्न को चनना अनिवार्य है।

३४८ ।



हमारे ग्रंथों में कहा गया है कि वृक्ष मनुष्य के पुत्र के समान हैं। ये मनुष्य की मृत्यु के बाद भी यश फैलाते हैं। वृक्ष लगाने से रोग, शोक दूर होते हैं। यही कारण है कि कुछ लोग तुलसी, केला, पीपल आदि वृक्षों की पूजा करते हैं। वृक्ष हवा के अशुद्ध कीटाणुओं को खुद पचा लेते हैं और हमें साफ़ हवा देते हैं। भूमि को गरम होने से बचाते हैं। अगर भूमि पर वृक्ष न हो तो इसका तापमान इतना बढ़ जाएगा कि एक दिन ध्रुवों पर जमी सभी बर्फ़ पिघल जाएगी। उस बर्फ़ से इतना पानी बनेगा कि भरती माता उसमें जल समाधि लेगी। तब न आप रहेंगे, न हम और न रहेंगे रंग बिरंगे पशु पक्षी। पेड़ पर कुल्हाड़ी उठाकर हम अपने पैरों पर ही कुल्हाड़ी मारते हैं।

**ਪਚਾ ਲੇਨਾ** = ਵਿਨਾਈ ਕਰ ਇਮਨਵਾ.

**तापमान** = उष्णताविद्य

**ধূৰ্ব** = অলৈভিয়ে দ্রষ্টব্য কু এক্ষতি কু দ্রষ্টব্য

**କୁଳହାଙ୍କୀ** = ହୋରାତ୍

## (ख) निम्नलिखित अवतरण का हिंदी में अनुवाद कीजिए।

(10 अंक)

मारें अजलैवैषि दृग्वेवै देदेनेते चिरिति. उदिने उक्तेनेते अमलै वन अतर अनेका कमलै य. अमलै मारें असलै पौत्रिणेना विव अन्तेदेक उक्तेना केव आप्यवेवैन चिरिति. उन्प्रभु “मामा” किया अमन्तिन ला जलय कता करन्हनार परन्ते गनिति. उन्हा लादृ हा जान्ते चेवरयेन उभु ला हा कता लह करिति. उहेन्ते कमलै अमलै विवा बोहेर लेनके वन अतर उभु दृर तिया कृगस्तिन पौत्रिणेनि. “हा... मामा... याव बोहामद?... लेलै गेदर उन्हन्वाद? अक्तिन द्विवेन लेति. अहल अहल चिरितैलै अमलै फूरांसा करन अतर कमलै पित्रिभूति अस्त्विव लेति. कमलैगेर हौसिरिम अक्तित व्वृत द अमलैगेर हौसिरिम उन्हा उक्तेव समिपन्हनय. यहपते गतिरुचिविन लेवि प्रदेशलयन्हनर जैम तैन्हिंदे लेन्म जैम अवज्ञावक्तैम गेवरवय लिति वेति.

एन्तु अयलवर वैट्टिल इरु पीलांकाळ इरुन्तनर. अवरक्तुल इरुवर अमल. मन्त्रन्त्रयवर कमल. अमल एनक्कु अरुकिल वरुकिस्सपोते इरु केक्कलायुम कूप्पी वन्नक्कम कूर्निनार. “मामा” एन्नु अमृत्ततवाऱ्हु एन्नुतन कतेतक्क औरम्पित्ततार. अवर मिकवुम मेन्मेयाकवुम सान्तमान इयुल्पुत्तुम एन्नुतन कतेत्ततार. अयिनुम कमल अमलेव विट मिकवुम वेन्नुप्पट्टवर एन्पत्तुतन अवर तुरात्तिलिरुन्तवाऱ्हे चत्तमिट्टवाऱ्हु वन्ततार. “मामा.... नींकल एप्पड? ..... तम्पि वैट्टिल इरुक्किऱ्वारा?” एनक केट्टवाऱ्हु उष्ट वन्ततार. अक्कम पक्कत्तिलुल लल्लोरुम अमलेव पाराट्टुवत्तुतन कमल तेन्तर्पाक अतीरुप्त्तियतेन्तनर. कमलिन नृत्तत अनाकरिकमाक काज्जप्पट्टपोतुम अमलिन नृत्तत नाकरिकमिक्कताकुम. पन्पुल गुणात्तिच्यांकतान उत्तेय नपर्कलुक्कु लल्ला इट्टकलिलुम पोन्नेय लल्ला सन्तर्पप्पन्कलिलुम केलावम उरित्तताकुम.

There are two children in my neighbour's house. One of them is Amal and the other is Kamal. When Amal comes near me he says 'Ayubowan' taking two hands together. Then he starts talking calling me 'mama'. He talks with me in a soft and calm voice. However Kamal who is totally different from Amal, comes running shouting as "Hello mama, how are you? Is malli at home?" from far away. Everybody in the surrounding while praises Amal, shows displeasure about Kamal. Even though Kamal's behaviour is uncivilized Amal's is civilized. The persons who own good qualities are respected at any place as well as in any occasion.

## 03. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (20 अंक)

हिंदुस्तान की ज़मीन में इतनी ताकत है कि वह हमें भूखा नहीं रख सकती। यहाँ गंगा, यमुना, कृष्णा, गोदावरी आदि अच्छी-अच्छी नदियाँ हैं, अच्छे-अच्छे पहाड़ हैं, बनस्पतियाँ हैं, जड़ी-बूटियाँ हैं, अनाज है, फल-तरकारियाँ, मेवे, सब-कुछ है, क्या नहीं है? परमेश्वर ने कितनी उत्तम-उत्तम देने हमें दी हैं! उसने हमें दो हाथ दिये हैं, बुद्धि दी है, हृदय दिया है। उसने हमपर कितना प्रेम बरसाया है! हमपर कितना उपकार किया है! कमी किस चीज़ की है? लेकिन बीच में हम लोग भूल गये और पैसे के बहकावे में आकर भगवान का नाम लेने के बदले पैसे का नाम लेने लगे।

इन दिनों तो यह होता है कि कोई पड़ोसी की भी सेवा करता है, तो पैसे माँगता है। पहले ऐसा नहीं था। गाँव का बढ़ई हर किसी के घर जो काम निकलता था, वह कर देता था, पैसा नहीं माँगता था।

(i) हिंदुस्तानी ज़मीन की ताकत क्या है? (02 अंक)

(ii) हिंदुस्तान की प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाने की क्या-क्या चीजें थीं? (02 अंक)

(iii) यहाँ खाने की चीजें क्या थीं? (02 अंक)

(iv) भगवान ने इन्हें क्या-क्या दिये थे? (02 अंक)

(v) लोग क्या भूल गये? (02 अंक)

- (vi) इस गद्यांश के अनुसार इन दिनों में क्या होता है? (02 अंक)
- (vii) इस गद्यांश में किसकी चर्चा हो रही है? (02 अंक)
- (viii) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (06 अंक)  
(उक्त गद्यांश में प्रयुक्त वाक्यों का प्रयोग मत कीजिए।)
- (अ) ताकत (आ) बुद्धि

04. (क) कोष्ठक में दिये गये प्रश्नों के अनुसार निम्नलिखित अवतरणों का संदर्भ लिखिए।  
(किस रचयिता के किस पाठ से उद्धृत है? किसने; किससे; क्यों कहा है?) (10 अंक)

- (i) “ क्या ज़माना है! जवान लड़के को मेरे पूरा दिन नहीं बीता और यह बेहया दुकान लगा के बैठी है। ”
- (ii) “ बहुत दिनों से अभिलाषा थी; आज उपस्थित हो सका हूँ। ”

(ख) निम्नलिखित पद्यांश का अर्थ सरल हिंदी में लिखिए। (10 अंक)

- (i) घर-आँगन की हुई सफाई,  
कहीं रँगाई कहीं पुताई।  
लेकिन मन में कालिख अब भी,  
ऊँच-नीच की गहरी खाई॥
- (ii) खेल-खिलाने और बताशे  
कहीं पटाखे और तमाशे।  
कोई बिलख रहा है भूखा,  
कहीं बज रहे बाजे-ताशे॥

## भाग II

05. विश्वभर फैली जानेवाली कोविड 19 महामारी के कारण विदेश से अपनी मातृ-भूमि पर आने की कठिनता बताते हुए अपने घरवालों के नाम पर एक पत्र लिखिए। (15 अंक)

06. निम्नलिखित वाक्य खंडों के आधार पर लगभग 150 शब्दों की कहानी लिखिए।  
एक लकड़हारा ..... बहुत गरीब .... ईमानदार .... जंगल में लकड़ी काटता .... बेचता .... एक दिन कुल्हाड़ी पानी में गिर पड़ी .... नहीं निकाल सका .... वह रोने लगा .... एक देवता निकला .... सोने, चाँदी की दिखायी ... लोहे की कुल्हाड़ी का स्वीकार .... देव खुश .... दोनों दी .... दूसरा लकड़हारा .... लालची .... कुल्हाड़ी गिरा दी .... झूठ बोला .... देव को गुस्सा आया .... पानी में ढूब गया। (15 अंक)